एम. ए. प्रथम वर्ष

प्रथम अयन

कोर्स न.	प्रथम अयन	
1	मध्ययुगीन काव्य	
2	कथा साहित्य	
3	भारतीय काव्यशास्त्र	
4	वैकल्पिक	
	क)	हिंदी पत्रकारिता
	ख)	नाटककार मोहन राकेश

एम. ए. हिंदी साहित्य

प्रथम अयन :

पाठ्यचर्या : 1 मध्ययुगीन काव्य

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. हिंदी की मध्ययुगीन काव्य प्रवृत्तियों का परिचय देना।
2. मध्ययुगीन काव्य प्रवृत्तियों की पृष्ठभूमि पर कवि विशेष की रचनाओं का परिचय कराना।
3. तत्कालीन काव्यभाषा की प्रवृत्तियों का परिचय देना।
4. पाठ्यकृतियों के आधार पर काव्य मूल्यांकन की क्षमता का विकास करना।
5. सर्जनात्मक कौशल विकसित करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई– I	**पूर्वमध्यकालीन काव्य (कबीर/जायसी)** कबीर – सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी – (पदसंख्या 160 से 170) कबीर की काव्यकला, भाषा, समन्वय, मानवता, लोकमंगल जायसी – पद्मावत नागमती वियोग खण्ड (आरंभ के 10 पद) जायसी की काव्यकला, भाषा, समन्वय, विरह वर्णन, लोकतत्व
इकाई– II	**पूर्वमध्यकालीन काव्य (सूरदास/तुलसीदास)** सूरदास – भ्रमरगीत सार – सं. रामचंद्र शुक्ल (पद – 21 से 30) सूरदास की काव्यकला, भाषा, समन्वय, लोकमंगल, विरह वर्णन तुलसीदास – रामचरितमानस – उत्तरकाण्ड (आरंभ के 25 दोहे) तुलसीदास की काव्यकला, भाषा, लोकमंगल, समन्वय, भक्ति, आदर्श कल्पना।
इकाई – III	**पूर्वमध्यकालीन काव्य (मीरा/रहीम)** मीरा – सं. विश्वनाथ त्रिपाठी – (आरंभ के 10 पद) मीरा की काव्यकला, भाषा, प्रेमतत्व, प्रगतिशीलता, विरह वर्णन, रहीम की काव्यकला, भाषा, नीतितत्व, समन्वय, प्रेमतत्व रहीम (दोहे : 01 से 25)
इकाई– IV	**उत्तरमध्यकालीन काव्य (बिहारी/घनानंद)** बिहारी – बिहारी सतसई – सं. जगन्नाथदास रत्नाकर (दोहा संख्या 01 से 25) बिहारी की काव्यकला, भाषा, प्रेमतत्व, बहुज्ञता घनानंद – कवित्त सं. विश्वनाथ मिश्र, (कवित्त संख्या 01 से 15) घनानंद की काव्यकला, भाषा, प्रेमतत्व।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का पूछा जाएगा, जिसमें चारों इकाइयों से एक–एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछा जाएगा।)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन– 50 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10)

सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 X10 = 40

ससंदर्भ व्याख्या : 2 X05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. मध्ययुगीन हिंदी काव्य – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. जायसी ग्रंथावली – सं. रामचंद्र शुक्ल
4. संक्षिप्त सूरसारगर – सं. डॉ. प्रेमनारायण टंडन
5. मीराबाई की पदावली – सं. परशुराम चतुर्वेदी
6. महाकवि भूषण – सं. भगीरथ प्रसाद दीक्षित
7. काव्य की भूमिका – रामधारी सिंह दिनकर
8. घनानंद कवित्त – चंद्रशेखर मिश्र शास्त्री
9. साहित्य और मानवीय संवेदना – डॉ. सदानंद भोसले
10. जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन – प्रो. हरेंद्रप्रताप सिन्हा
11. महाकवि जायसी और उनका काव्य – डॉ. इकबाल अहमद
12. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ. शिवसहाय पाठक.
13. जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
14. पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
15. पद्मावत का काव्य सौंदर्य – डॉ. चंद्रबली पाण्डेय
16. हिंदी के प्रतिनिधि कवि – डॉ. सुरेश अग्रवाल
17. कबीर वचनामृत – संपा. डॉ. विजयेंद्र स्नातक, डॉ. रमेशचंद्र मिश्र
18. कबीर साहित्य का चिंतन – संपा. प्रा. दत्तात्रय टिळेकर
19. भारतीय संतों का साहित्यिक योगदान – संपा. संजय महेर, प्रा. शरद कोलते

XXX

प्रथम अयन :

पाठ्यचर्या : 2 कथा साहित्य

4 कर्मांक

उद्देश्य :

1. उपन्यास विधा से अवगत कराना।
2. कहानी विधा से अवगत कराना।
3. पाठ्य रचनाओं में अभिव्यक्त मूल्यों का संप्रेषण करना।
4. आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना।
5. सर्जनात्मक कौशल का विकास करना।

पाठ्यविषय	
इकाई–I	प्रेमचंदोत्तर के परवर्ती उपन्यास का विकासक्रम (2000 तक) बीसवीं सदी की हिंदी कहानी का विकासक्रम (2000 तक)
इकाई –II	**उपन्यास साहित्य :** आपका बंटी – मन्नू भंडारी तात्विक विवेचन, संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई –III	**कहानी साहित्य :** उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी आकशदीप – जयशंकर प्रसाद गैंग्रीन – अज्ञेय दुनिया का अनमोल रत्न – प्रेमचंद सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई –IV	**कहानी साहित्य :** साजिश – सूरपाल चौहान जंगल गाने लगा – अंकुश्री पक्षी और दीमक – ग. मा. मुक्तिबोध दूसरा ताजमहल – नासिरा शर्मा दुख – यशपाल संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का पूछा जाएगा जिसमें **II, III, IV** इकाइयों से एक–एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछा जाएगा।)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10)

सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 10 = 40

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x 05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. कहानी दशक – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. आपका बंटी – मन्नू भंडारी
3. आज का हिंदी उपन्यास – डॉ. इंद्रनाथ मदान
4. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यासों की शिल्पविधि : डॉ. सत्यपाल चुघ
5. हिंदी उपन्यास : सौ वर्ष – संपा. रामदरश मिश्र
6. उपन्यास : स्थिति और गति – डॉ. चंद्रेकांत बांदिवडेकर
7. नई कहानी के विविध प्रयोग – शशिभूषण पाण्डेय शीतांषु
8. समकालीन हिंदी कहानी – डॉ. पुष्पपाल सिंह
9. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
10. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी
11. चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य का अनुशीलन – डॉ. गोरख थोरात
12. कालजयी साहित्य और हिंदी कहानी – डॉ. राजेंद्र खैरनार
13. रामदरश मिश्र के उपन्यासों में ग्रामीण परिवेश – डॉ. अनिल काळे
13. मार्कण्डेय का कथासाहित्य और ग्रामीण सरोकार – डॉ. जिभाऊ शा. मोरे
14. समकालीन हिंदी उपन्यास : वर्ग एवं वर्ण संघर्ष – डॉ. जालिंदर इंगळे
15. सूरजपाल चौहान कृत 'नया ब्राह्मण' एक अनुशीलन – डॉ. प्रदीप सरवदे
16. नासिरा शर्मा एवं सानिया के कथा साहित्य में स्त्री विमर्श – डॉ. महेश दवंगे

XXX

प्रथम अयन :

पाठ्यचर्या : 3 भारतीय काव्यशास्त्र

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
2. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदायों से अवगत कराना।
3. रचना वैशिष्ट्य और मूल्यबोध को परखने की क्षमता को विकसित करना।
4. आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित करना।

पाठ्यविषय	
इकाई –I	भारतीय काव्यशास्त्र का विकासक्रम रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस के अंग, रस निष्पति के सिद्धांत (भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनव गुप्त) साधारणीकरण की अवधारणा।
इकाई –II	अलंकार सिद्धांत : परिभाषा, स्वरूप, अलंकार के भेद। काव्य में अलंकार का महत्व। रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, रीति के भेद, काव्य–गुण, रीति एवं शैली।
इकाई –III	वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति भेद। ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत के प्रमुख भेद, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।
इकाई –IV	औचित्य सिद्धांत : औचित्य सिद्धांत का स्वरूप, औचित्य के भेद, काव्य में औचित्य की अनिवार्यता।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा– 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10)

सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 10 = 40

टिप्पणी : 2 x 10 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्यशास्त्र – आ. बलदेव उपाध्याय
2. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत (खंड 1 और 2) – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
3. काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेंद्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी
5. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
6. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. योगेंद्र प्रतापसिंह
7. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
9. विश्वसाहित्य शास्त्र – सं. नगेंद्र
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ. बच्चन सिंह.
11. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ. सुरेशकुमार जैन. प्रा. महावीर कंड़ारकर.
12. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत– डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी.
13. भारतीय काव्यशास्त्र– (खंड़–1 और 2)– आचार्य बलदेव उपाध्याय

XXX

प्रथम अयन :

पाठ्यचर्या : 4 (क) हिंदी पत्रकारिता

4 : कर्मांक

उद्देश्य :

1. पत्रकारिता की भाषा–प्रयुक्ति का परिचय देना।
2. हिंदी भाषा और साहित्य के विकास में हिंदी पत्र–पत्रकाओं के योगदान से परिचित कराना।
3. पत्रकारिता का कौशल विकसित करना।
4. रोजगारपरक दृष्टि का विकास करना।

पाठ्यविषय	
इकाई –I	हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास। नवजागरणयुगीन हिंदी पत्रकारिता, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता, प्रेस कानून एवं आचार संहिता।
इकाई –II	समाचार संकलन, समाचार के स्रोत, समाचार अनुवर्तन, समाचार समितियों की भूमिका संवाददाता और जनसंपर्क।
इकाई –III	पत्रकारिता लेखन समाचार फीचर संपादकीय अग्रलेख रिपोर्टिंग साक्षात्कार समीक्षा।
इकाई –IV	मुद्रण एवं संपादन कला मुद्रण में कंप्यूटर का प्रयोग समाचारेतर सामग्री का संपादन शीर्षक, प्रूफ रीडिंग, ले आउट एवं साज–सज्जा, भाषा किसी एक विषय का (कृषि, विज्ञान, फिल्म, क्रीडा पत्रकारिता) भाषागत अध्ययन विश्लेषण।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 10 = 40

टिप्पणी : 2 x 05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास – कृष्ण बिहारी मिश्र
2. समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे – राजकिशोर
3. आज की हिंदी पत्रकारिता – सुरेश निर्मल
4. पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा – अलोक मेहता
5. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला – हरिमोहन
6. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संरचना – चंद्रदेव यादव
7. संपादन पृष्ठ सज्जा और मुद्रण – प्रो. रमेश जैन
8. पत्रकारिता और संपादन कला – प्रेमनाथ राय
9. फीचर लेखन : सृष्टि – डॉ. पूरन चंद।
10. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास – अर्जुन तिवारी
11. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप एवं संदर्भ – विनोद गोदरे
12. समाचार पत्र प्रबंधन – सं. अरविंद चतुर्वेदी
13. हिंदी में रोजगार की संभावनाएँ – संपा. शहाबुद्दीन शेख, डॉ. दस्तगीर देशमुख तथा डॉ. लियाकत शेख
14. समाचार संपादन – सं. रामशरण जोशी
15. आधुनिक पत्रकारिता एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया – डॉ. जालिंदर इंगळे
16. भेंटवार्ता और प्रेस कान्फ्रेंस – सं. नंदकिशोर त्रिखा
17. पत्रकारिता के सिद्धांत – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी
18. पत्रकारिता : प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि – सुजाता वर्मा
19. हिंदी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र

XXX

प्रथम अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : 4 (ख) नाटककार मोहन राकेश

4 कर्मांक

उद्देश्य :

1. नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचय कराना।
2. नाटक के रचनाविधान और रंगमंच से परिचय कराना।
3. हिंदी नाटक और रंगमंच के विकास का परिचय देना।
4. मोहन राकेश के नाटकों के द्वारा नाट्यास्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित करना।
5. नाट्याभिनय कौशल को विकसित करना।

पाठ्यविषय	
इकाई–I	नाटक और रंगमंच, स्वरूप एवं संरचना हिंदी रंगमंच का विकासक्रम रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ नाटक की पाश्चात्य परंपरा पारसी थिएटर, रंगभाषा
इकाई–II	निर्धारित नाटक आषाढ़ का एक दिन कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।
इकाई –III	निर्धारित नाटक लहरों के राजहंस कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।
इकाई –IV	निर्धारित नाटक आधे अधूरे कथ्यगत अध्ययन रंगमंचीय अध्यन तात्विक मूल्यांकन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। निर्धारित पाठ्यपुस्तकों पर ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न पूछा जाएगा।) अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10)

सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 10 = 40

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x 05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. आषाढ़ का एक दिन –मोहन राकेश
2. लहरों के राजहंस –मोहन राकेश
3. आधे अधूरे – मोहन राकेश
4. नाटक और रंगमंच – संपा. गिरिश रस्तोगी
5. रंग दर्शन – नेमिचंद्र जैन
6. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा
7. हिंदी नाटक – बच्चन सिंह
8. हिंदी नाट्य विमर्श – संपा. सदानंद भोसले
9. रंगभाषा – नमिचंद्र जैन
10. पारसी थियेटर उद्‌भव और विकास – सोमनाथ गुप्त
11. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र – देवराज अंकुर
12. बीसवीं शताब्दी का रंगकर्म – डॉ. लवकुमार
13. नाट्यालोचन – डॉ. माधव सोनटक्के
14. नाट्यचिंतन और रंगदर्शन अंतःसंबंध – गिरिश रस्तोगी
15. रंगमंच –बलवंत गार्गी
16. बीसवी शताब्दी का हिंदी रंगमंच –शशिप्रभा अत्री
17. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र –देवेन्द्रराज अंकुर
18. मोहन राकेश : रंग–शिल्प और प्रदर्शन – जयदेव तनेजा
19. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी

XXX

एम. ए. प्रथम वर्ष

द्वितीय अयन

कोर्स न.	द्वितीय अयन	
5	कथेतर गद्य साहित्य	
6	शोध प्रविधि	
7	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	
8	वैकल्पिक	
	ग)	शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र
	घ)	हिंदी उपन्यास साहित्य

द्वितीय अयन :

पाठ्यचर्या : 5 कथेतर गद्य साहित्य

4 : कर्मांक

उद्देश्य :

1. व्यंग्य, निबंध, रेखाचित्र और संस्मरण विधा से अवगत करना।
2. पाठ्य विधाओं का भाषिक अध्ययन करवाना।
3. मौलिक लेखन कौशल विकसित करना।

पाठ्यविषय	
इकाई –I	**आत्मकथा साहित्य :** मुर्दहिया – तुलसीराम आलोचनात्मक अध्ययन, अंर्तवस्तु/ भाषागत अध्ययन।
इकाई –II	**निबंध साहित्य :** कविता क्या है ? – रामचंद्र शुक्ल लेखक और जनता – डॉ. रामविलास शर्मा मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र संस्कृति और सौंदर्य – नामवर सिंह कुटज – हजारीप्रसाद द्विवेदी पानी है अनमोल – श्रीराम परिहार विशेषताएँ, आलोचनात्मक अध्ययन, अंर्तवस्तु, भाषागत अध्ययन।
इकाई –III	**रेखाचित्र साहित्य :** माटी की मूरतें – रामवृक्ष बेनीपुरी स्वरूपगत अध्ययन आलोचनात्मक अध्ययन अंर्तवस्तु, भाषागत अध्ययन।
इकाई –IV	**व्यंग्य साहित्य** : भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई स्वरूपगत अध्ययन, आलोचना अध्ययन, अंतर्वस्तु, भाषागत अध्ययन **संस्मरण साहित्य :** याद हो की न हो – काशीनाथ सिंह। स्वरूपगत अध्ययन, आलोचनात्मक अध्ययन, अंर्तवस्तु, भाषागत अध्ययन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का पूछा जाएगा; जिसमें चारों इकाइयों से एक–एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछा जाएगा।

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10)

सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 10 = 40

टिप्पणी : 2 x 05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. निबंध वैभव – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. मुर्दहिया – तुलसीराम
3. माटी की मूरतें – रामवृक्ष बेनिपुरी
4. याद हो की न हो – काशीनाथ सिंह

X X X

द्वितीय अयन :

पाठ्यचर्या : 6 शोध प्रविधि

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को शोध प्रविधि से अवगत कराना।
2. शोध दृष्टि का विकास करना।
3. नये शोध–प्रावाहों से परिचय कराना।
4. शोध प्रक्रिया एवं शोधप्रबंध लेखन कौशल विकसित करना।

पाठ्यविषय	
इकाई – I	**शोध का स्वरूप :** शोध के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य शोध की विभिन्न परिभाषाएँ और उनका विश्लेषण शोध के उद्देश्य, शोध की विवेचन पद्धति वस्तुनिष्ठ, तर्कसंगति, प्रमाणबद्धता।
इकाई – II	शोध के मूलतत्व : शोध और आलोचना शोध के भेद : साहित्यिक,साहित्येत्तर साहित्यिक शोध के भेद : वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, अंतर्विद्याशाखीय।
इकाई – III	**शोध प्रक्रिया :** विषय चयन,सामग्री संकलन के स्रोत मूल, सहायक, हस्तलेख संकलन एवं उपयोगिता, तर्क पद्धति : निगमनात्मक पद्धति (Deductive Method) और आगमनात्मक पद्धति (Inductive Method)। विवेचन, निष्कर्ष, स्थापना।
इकाई – IV	**शोध–प्रबंध लेखन प्रणाली :** शोध प्रबंध, शीर्षक निर्धारण, रूपरेखा, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ, संदर्भ सूची, MLAपद्धति (Modern language Association), सहायक ग्रंथ सूची, परिशिष्ट, वर्तनी सुधार, टंकण, यूनिकोड परिचय।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)
अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10),
सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 10 = 40
टिप्पणी : 2 x 05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. शोधतंत्र और सिद्धांत – शैलकुमारी
2. शोध प्रविधि – डॉ. विनयमोहन शर्मा
3. अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ. विजयेंद्र स्नातक
4. अनुसंधान प्रविधि – सुरेशचंद्र निर्मल
5. अनुसंधान के तत्व – विश्वनाथप्रसाद मिश्र
6. शोध प्रविधि – डॉ. विनयमोहन शर्मा

X X X

द्वितीय अयन :

पाठ्यचर्या : 7 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
2. पाश्चात्य चिंतकों के चिंतन, सिद्धांत और प्रमुख आंदोलनों से अवगत करना।
3. छात्रों को सृजन, आस्वादन एवं आलोचना दृष्टि देना।

पाठ्यविषय	
इकाई –I	पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकासक्रम प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत : त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धांत
इकाई –II	वड्र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत। कॉलरिज का कल्पना और फैंट्सी सिद्धांत लोंजाइनस का योगदान : उदात्त के अंतरंग और बहिंरग तत्व लोंजाइनस का उदात्त सिद्धांत : काव्य में उदात्त का महत्व।
इकाई –III	टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, वस्तुनिष्ठ समीकरण।
इकाई –IV	आई. ए. रिचड्र्स : मूल्य सिद्धांत संप्रेषण सिद्धांत, काव्य–भाषा सिद्धांत, व्यावहारिक आलोचना।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10)

सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 10 = 40

टिप्पणी : 2 x 05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
2. संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र – गोपीचंद नारंग
3. आधुनिक परिवेश और अस्तित्वाद – शिवप्रसाद सिंह
4. अस्तित्ववाद और मानववाद – ज्यां पॉल सार्त्र
5. उत्तर–आधुनिकतावाद और उत्तर–संरचनावाद – सुधीर पचौरी
6. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा – निर्मला जैन
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन संदर्भ – सत्यदेव मिश्र
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – मैथिलीप्रसाद भारद्वाज
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास सिद्धांत और वाद – डॉ. भगीरथ मिश्र
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. बच्चनसिंह
11. अरस्तु का काव्यशास्त्र – डॉ. नगेंद्र
12. पाश्चात्य काव्वशास्त्र – देवेंद्रनाथ शर्मा
13. विश्व साहित्यशास्त्र – सं. डॉ. नगेंद्र

X X X

द्वितीय अयन :

पाठ्यचर्या : 8 (ग) शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र के स्वरूप क्षेत्र और विकास का परिचय देना।
2. शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र के तत्वों का परिचय देना।
3. पाश्चात्य एवं भारतीय चिंतकों के चिंतनधारा का परिचय देना।
4. छात्रों में सौंदर्य दृष्टि का विकास करना।

पाठ्यविषय	
इकाई –I	शैली और शैलीविज्ञान, शैली विज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र और विकास, शैली के उपकरण, शैली तत्व।
इकाई –II	शैलीविज्ञान और अन्य ज्ञानशाखाएँ, भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, सौंदर्यशास्त्र।
इकाई –III	सौंदर्य : परिभाषा, स्वरूप, सौंदर्य और कला का अंतःसंबंध, सुंदर और उदात्त, सौंदर्य की कलावादी दृष्टि, सौंदर्य के उपादान।
इकाई –IV	सौंदर्यशास्त्र : स्वरूप एवं व्याप्ति, सौंदर्यबोध और रसानुभूति का परस्पर संबंध एवं अंतर। साहित्य का सौंदर्य बोध, सौंदर्यशास्त्र के उपादान। सौंदर्यशास्त्र का अन्यशास्त्रों से संबंध : दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, कलाविज्ञान।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)
अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना – 20, प्रस्तुतिकरण – 10)

सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 10 = 40
टिप्पणी : 2 x 05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. शैली विज्ञान – डॉ. नगेंद्र
2. शैली विज्ञान – डॉ. सुरेश कुमार
3. शैली विज्ञान : प्रतिमान और विश्लेषण – डॉ. शशिभूषण शीतांषु
4. सौंदर्यशास्त्र के तत्व – डॉ. विमल कुमार
5. रससिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र – डॉ. निर्मला जैन
6. अथातो सौंदर्य जिज्ञासा – डॉ. रमेश कुंतल मेघ
7. सौंदर्यतत्व निरुपण – एस. टी. नरसिंहचारी
8. सौंदर्यशास्त्री की पाश्चात्य परंपरा – नीलकांत
9. भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा – डॉ. रूपाली चौधरी

X X X

द्वितीय अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : 8 (घ) हिंदी उपन्यास साहित्य

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. हिंदी उपन्यास साहित्य के विकासक्रम एवं प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
2. उपन्यासों के आस्वादन, अध्ययन की क्षमता विकसित करना।
3. पाठ्य रचनाओं में प्रस्तुत साहित्यिक मूल्यों का संप्रेषण करना।
4. मूल्यांकन की दृष्टि का विकास करना।

पाठ्यविषय	
इकाई –I	तमस – भीष्म साहनी संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई –II	छप्पर – जयप्रकाश कर्दम संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई –III	गिलीगडू – चित्रामुद्गल संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई –IV	ग्लोबल गांव के देवता – रनेंद्र संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का पूछा जाएगा, जिसमें चारों इकाइयों से एक–एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछा जाएगा।)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिकमूल्यांकन – 50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा – 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x 10 = 40
ससंदर्भ व्याख्या : 2 x 05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. तमस – भीष्म साहनी
2. छप्पर – जयप्रकाश कर्दम
3. गिलीगडू – चित्रा मुद्गल
4. ग्लोबल गांव के देवता – रनेंद्र
5. आधुनिक हिंदी उपन्यास 2 – नामवर सिंह
6. हिंदी उपन्यास : सौ वर्ष – संपा. रामदरश मिश्र
7. उपन्यास : स्थिति और गति – डॉ. चंद्रेकांत बांदिवडेकर
8. आज का हिंदी उपन्यास – डॉ. इंद्रनाथ मदान
9. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य – डॉ. राजेंद्र खैरनार

XXX